माध्यमिक अंग्रेज़ी

शब्दावली पढ़ाने की कार्यनीतियाँ

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)* /मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE11v1
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन- शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है:
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

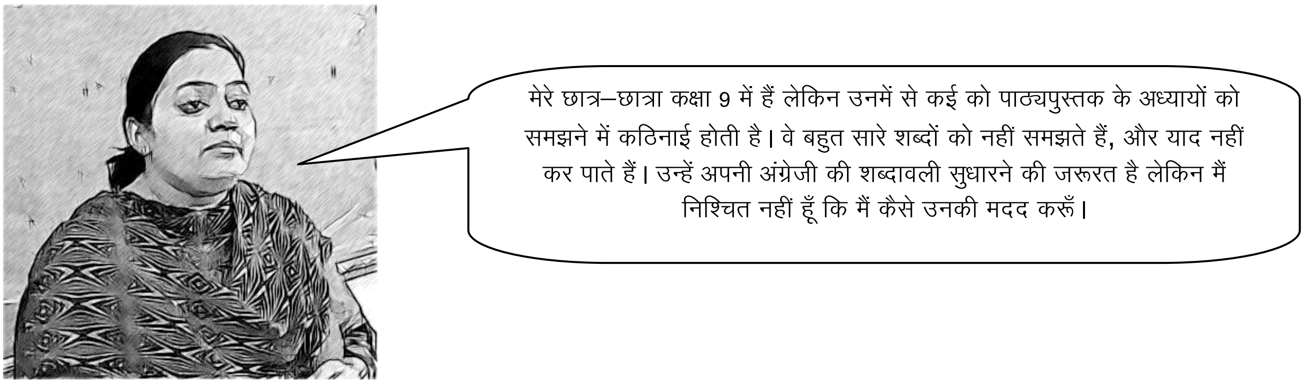

यह इकाई इस बारे में है कि आप अंग्रेजी शब्दावली सीखने, उसका उपयोग करने और उसे याद रखने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद कैसे कर सकते हैं। कई छात्र–छात्राओं को, यहाँ तक कि कक्षा 9 या 10 में भी, पाठ्यपुस्तक के अध्यायों के साथ कठिनाई होती है। वे कई शब्दों को नहीं समझते, और उन्हें अनुवाद करने के बाद भी, छात्र–छात्राओं के लिए उनका अर्थ याद रखना कठिन होता है।

यह देखा गया है कि छात्र–छात्रा भाषाओं को तब सबसे अच्छे ढंग से सीखते हैं जब वे उन्हें संदर्भ में अनुभव करते हैं और भाषा का उपयोग बोलने और लिखने में स्वतंत्र रूप से करते हैं। As the Position Paper of the National Focus Group on Teaching of English (National Council of Educational Research and Training, 2006) states:

> Research has also shown us that greater gains accrue when language instruction moves away from the traditional approach of learning definitions of words (the dictionary approach) to an enriched approach, which encourages associations with other words and contexts (the encyclopaedia approach).

इसका मतलब यह है कि यह आवश्यक नहीं है कि पाठ को शब्दशः अनुवाद करने या शब्दों की सूचियों को याद कर लेने से छात्र–छात्राओं को ऐसी नई शब्दावली सीखने में मदद मिलेगी जिसका उपयोग वे अंग्रेजी बोलने एवं लिखने में कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को नए शब्दों से सामना होने पर उनके अर्थ का अनुमान लगाने के लिए कार्यनीतियों का विकास करना होगा। आप ऐसा करने में उनकी मदद कर सकते हैं:

- उन्हें पहले से ज्ञात शब्दों के साथ समानताएं दिखाकर
- शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने में तस्वीरों का उपयोग करके छात्र–छात्राओं की मदद करके
- मूकाभिनय (माइमिंग) करके।

तथापि, एक बार कोई नया शब्द या वाक्यांश सीख लेने का मतलब यह नहीं है कि छात्र–छात्रा उसे याद रखेंगे और उसका उपयोग कर सकेंगे। यही कारण है कि छात्र–छात्राओं को यह सीखने के लिए सहायता की भी जरूरत पड़ेगी कि नई शब्दावली को कैसे रिकार्ड करें और बार-बार उसकी समीक्षा करें। यदि छात्र–छात्रा अपने शब्दावली ज्ञान को सुधार लेते हैं, तो वे अपने पाठों को अधिक आसानी से समझ सकेंगे और अंग्रेजी में बेहतर ढंग से लिखेंगे और बोलेंगे, जिसके परिणामस्वरूप वे परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

इस इकाई में दी गई तकनीकें आपके छात्र–छात्राओं की ऐसे स्वतंत्र भाषा के छात्र–छात्रा बनने में मदद करती हैं जो नई शब्दावली को खुद अपने बलबूते पर समझने, रिकार्ड करने और सीखने में सक्षम होते हैं।

जब आप इस इकाई की गतिविधियाँ आजमाएं, तब याद रखें कि:

- हो सकता है पहली बार करते समय तकनीकें सफल न हों – इस बारे में सोचें कि पाठ में क्या हुआ था, समायोजन करें और दोबारा प्रयास करें।
- जब आप नई तकनीक आजमाते हैं तो हो सकता है छात्र–छात्रा न समझ पाएं कि क्या हो रहा है – उन्हें यह बात समझाएं और गतिविधि के प्रयोजन को स्पष्ट करें
- इस इकाई की गतिविधियों का उपयोग आप अपनी सामान्य कक्षाओं के भाग के रूप में कर सकते हैं – यह आवश्यक नहीं है कि वे पूरी कक्षा का समय ले लें, या आपकी कक्षा या आपके लिए अतिरिक्त काम बन जाएं।

अपनी कक्षा को प्रोत्साहक स्थान बनाएं; ऐसा स्थान जहाँ आप और आपके छात्र–छात्रा आलोचना के डर के बिना चीजों को करने का प्रयास कर सकते हैं।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं :

- अंग्रेजी की अपरिचित शब्दावली को संदर्भ से समझने में छात्र–छात्राओं की मदद कैसे करें।
- अंग्रेजी शब्दावली याद रखने में छात्र–छात्राओं की मदद करने के तरीके, उदाहरण के लिए शब्दावली लॉग का उपयोग करते हुए।
- नई शब्दावली को रिकार्ड करने और सीखने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए शब्दकोषों का प्रभावी उपयोग।

1 अध्यायों में प्रयुक्त अंग्रेजी की अपरिचित शब्दावली समझने में छात्र–छात्राओं की सहायता करना

माध्यमिक अंग्रेजी के पाठ्यपुस्तकों के अध्याय कई छात्र–छात्राओं के लिए कठिन हो सकते हैं। इसके कारणों में से एक यह है कि उनमें बहुत सारे ऐसे शब्द और वाक्यांश होते हैं जिन्हें छात्र–छात्रा नहीं जानते हैं। एक शिक्षक/शिक्षिका के रूप में, आपकी भूमिका अपने छात्र–छात्राओं को निरुत्साहित किए बिना इन शब्दों को समझने में उनकी मदद करना है।

गतिविधि 1: अपरिचित शब्दों से परिचित कराना

इस गतिविधि को आप स्वयं या किसी सहकर्मी के साथ कर सकते हैं।

'A Visit to Cambridge' (a chapter from the NCERT Class VIII textbook *Honeydew*): से यह अनुच्छेद पढ़ें।

> Cambridge was my metaphor for England, and it was strange that when I left it had become altogether something else, because I had met Stephen Hawking there. It was on a walking tour through Cambridge that the guide mentioned Stephen Hawking, 'poor man, who is quite disabled now, though he is a worthy successor to Issac Newton, whose Chair he has at the university.' And I started, because I had quite forgotten that this most brilliant and completely paralysed astrophysicist, the author of *A Brief History of Time*, one of the biggest bestsellers ever, lived here.

अब नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें। हो सके तो अपने किसी सहकर्मी के साथ उन पर चर्चा करें:

- क्या आपके विचार से कक्षा 8 का यह पाठ आपके माध्यमिक अंग्रेजी छात्र–छात्राओं के लिए समझने में आसान होगा?
- आपके विचार से आपके छात्र–छात्रा किन शब्दों को नहीं समझ सकेंगे? उन्हें रेखांकित करें या अपनी नोटबुक में उन्हें नोट करें।
- इन शब्दों और इस गद्यांश को समझने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद आप कैसे कर सकते हैं?

यह गद्यांश कुछ माध्यमिक अंग्रेजी छात्र–छात्राओं के लिए पढ़ने में काफी कठिन हो सकता है क्योंकि इसमें कुछ कठिन शब्दावली और व्याकरण की जटिल संरचनाएं हैं। अपने स्तर के अनुसार कुछ छात्र–छात्रा 'disabled' का अर्थ जानते होंगे और कुछ नहीं। हो सकता है कुछ को 'worthy successor' या 'completely paralysed' वाक्यांश समझ में न आएं।

अपरिचित शब्दों को समझने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करने का एक सरल तरीका है उन्हें अपने घर की भाषा में अनुवाद करना। यह उपयोगी हो सकता है, लेकिन अनुवाद करने के कुछ नुकसान भी हैं:

- यदि आप किसी गद्यांश के सभी शब्दों को अनुवाद करते हैं, तो इसमें बहुत सारा समय लगेगा। कुछ छात्र–छात्रा ऊब जाएंगे और आप जो पाठ पढ़ रहे हैं उसमें दिलचस्पी खो देंगे।
- लेखन के एक हिस्से को शब्दशः अनुवाद करने से छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी वाक्यांशों और आम तौर पर एक साथ आने वाले शब्दों के समूहों को सीखने का अवसर नहीं मिलेगा।
- किसी बात को घर की भाषा में अनुवाद करने से छात्र–छात्राओं को नए शब्दों के अर्थ समझने में मदद मिलती है, लेकिन इससे उन्हें उन शब्दों को याद रखने, बोलने तथा लिखने के उपयोग में हमेशा मदद नहीं मिलती है।
- यदि छात्र–छात्रा शब्दों का अनुवाद करने के लिए सदैव आप पर निर्भर रहते हैं, तो वे अंग्रेजी पढ़ते या सुनते समय शब्दों को समझने के लिए अपनी कार्यनीतियों का विकास नहीं कर सकेंगे।

गतिविधि 2 में आप देखेंगे कि अपने अध्यायों में नई शब्दावली का सामना करने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद आप कैसे कर सकते हैं। यह तकनीक पाठ्यपुस्तक में दिए गए पठनों को समझने और नई शब्दावली सीखने के लिए कार्यनीतियाँ विकसित करने में आपके छात्र–छात्राओं की मदद करेगी। वे अधिक स्वतंत्र बनने में भी छात्र–छात्राओं की मदद करेंगी, ताकि वे कक्षा के बाहर या अपने भावी जीवन में अपने आप सीखने में सक्षम हो सकें।

गतिविधि 2: पाठ की अपरिचित शब्दावली को समझने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करना

यह गतिविधि आप अपनी कक्षा में आजमा सकते हैं। यह छात्र–छात्राओं को उनके द्वारा पढ़े जा रहे पाठ की नई शब्दावली के अर्थ का अनुमान लगाने में सहायता करती है। इससे उन्हें यह निश्चित करने में भी मदद मिलती है कि उन्हें किन शब्दों को सक्रिय रूप से सीखने में अधिक समय देना चाहिए। आप इस गतिविधि का उपयोग किसी भी पाठ, और किसी भी कक्षा या किसी भी क्षमता वाले छात्र–छात्राओं के साथ कर सकते हैं क्योंकि वे विभिन्न शब्दों को चुन और सीख सकते हैं।

1. अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई अध्याय चुनें जिसमें ऐसी शब्दावली हो जो आपके विचार से छात्र–छात्राओं को पता नहीं है। यह आपके द्वारा पढ़ाया जाने वाला अगला अध्याय हो सकता है, जिसमें गद्य और कविताएं शामिल हैं। यदि पाठ लंबा है, तो उसमें से कुछ अनुच्छेद या छंद चुनें।
2. अपने छात्र–छात्राओं से पाठ को पढ़ने को कहें। वे चुप रहकर या ऊँची आवाज़ में पढ़ सकते हैं।
3. जब आपके छात्र–छात्रा पढ़ रहे हों, तब ब्लैकबोर्ड पर तालिका 1 जैसी कोई तालिका बनाएं। जब वे काम पूरा कर लें, तब उनसे उसे अपनी नोटबुकों में उतारने को कहें।

तालिका 1: *अपरिचित शब्दावली के लिए रिक्त तालिका।*

वे शब्द जिन्हें आप नहीं जानते हैं लेकिन अनुमान लगा सकते हैं	वे शब्द जिन्हें आप नहीं जानते हैं और अनुमान भी नहीं लगा सकते

4. अपने छात्र–छात्राओं से यह गतिविधि खुद से करने को कहने से पहले, कक्षा से प्रत्येक कॉलम के लिए एक शब्द का उदाहरण देने को कहें और उसे उसमें भरें। इस तरह आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे समझे कि उन्हें क्या करना है।

5. छात्र–छात्राओं से संबंधित कॉलमों में शब्दों को नोट करने को कहें। उन्हें यह गतिविधि वैयक्तिक रूप से करनी चाहिए। इसके लिए एक समय सीमा तय करें (जैसे दस मिनट) या शब्दों की कोई अधिकतम संख्या देने के लिए कहें (जैसे दस)।

6. जब समय समाप्त हो जाय, तब छात्र–छात्राओं से किसी साथी के साथ काम करने और अपने पहले कॉलम के उत्तरों की तुलना करने को कहें। उन्हें एक दूसरे को बताना चाहिए कि उन्होंने अर्थ का अनुमान कैसे लगाया।

7. कुछ मिनट बाद, चर्चा को रोक दें। अब विभिन्न जोड़ियों से कक्षा के साथ वे शब्द साझा करने को कहें जो उन्होंने पहले कॉलम में लिखे थे और बताने को कहें कि उन्होंने अर्थ का अनुमान कैसे लगाया। वे यह काम अपने घर की भाषा में कर सकते हैं।

8. अब छात्र–छात्राओं से दूसरे कॉलम के वे शब्द पढ़ने को कहें जिनका अनुमान वे नहीं लगा सके थे। इन्हें बोर्ड पर लिखें और शब्दों को ऊँची आवाज में बोलकर और कक्षा को अपने बाद दोहराने को कहकर इन शब्दों के उच्चारण का अभ्यास करने में उनकी मदद करें। इन शब्दों का अर्थ बताने या अनुवाद करने की बजाय, अर्थ का अनुमान लगाने में छात्र–छात्राओं की मदद करने का प्रयास करें।

9. आप अनुमान करने में उनकी मदद निम्न प्रकार के प्रश्न पूछकर कर सकते हैं:

What kind of word is this? Is it a verb? Is it a noun?

What are the words before it and after it?

The topic of the lesson is [say what the topic is]. This word is related to that.

Can you see a word you know in this word? Is there a word you recognise in 'disabled'? Can you see that the word 'able' is in there?

10. अपने छात्र–छात्राओं से वे दस शब्द चुनने, और याद करने को कहें जो उन्हें सबसे उपयोगी लगते हैं। आप चाहें तो उनसे पाठ से कुछ अतिरिक्त विशिष्ट शब्द सीखने को कह सकते हैं। इन अतिरिक्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें, कक्षा के साथ बोलते हुए उनका अभ्यास करें और छात्र–छात्राओं से उन्हें शब्दों की सूची में जोड़ने को कहने से पहले उनके अर्थ पर चर्चा करें।

ज़रा सोचिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या आपके छात्र–छात्रा कई शब्दों का अनुमान लगाने में सक्षम थे? किन शब्दों का अनुमान लगाने में उन्हें कठिनाई हुई?
- इन शब्दों का अनुमान लगाने में आप उनकी मदद कैसे कर सकते हैं? सोचें कि भविष्य के पाठों में उनकी मदद करने के लिए आप क्या करेंगे।
- आपके छात्र–छात्राओं ने किन शब्दों को सीखने का चुनाव किया? क्या आप सहमत हैं कि वे उपयोगी हैं?

अभ्यास करके छात्र–छात्रा अपरिचित शब्दों के अर्थों का बेहतर अनुमान लगाने में सक्षम हो जाएंगे। आपको:

- उन्हें यह साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए कि उन्होंने अर्थों का अनुमान कैसे लगाया ताकि वे कार्यनीतियों का निर्माण कर सकें
- नए शब्दों और उन्हें पहले से ज्ञात शब्दों के बीच संबंध स्थापित करने में उनकी मदद करें
- मूल शब्दों, उपसर्गों और प्रत्ययों को पहचानने में उनकी मदद करें जो उन्हें अर्थों का अनुमान लगाने में मदद करते हैं (see Kinsella et al., undated)।

अपनी कक्षा के छात्र–छात्राओं के साथ यह चर्चा करना भी फायदेमंद हो सकता है कि शब्दों को 'उपयोगी' कैसे बनाया जाता है,। कुछ शब्द परीक्षाओं के लिए उपयोगी हो सकते हैं, जबकि अन्य किसी ऐसे विषय से संबंधित हो सकते हैं जिसमें उन्हें दिलचस्पी है।

अपने छात्र–छात्राओं की संदर्भ से शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने में मदद करने के तरीकों के बारे में अधिक विचार आपको इस इकाई में बाद में मिलेंगे। संसाधन 1 में शब्दावली सीखने की अतिरिक्त गतिविधियाँ भी दी गई हैं। संसाधन 2 में भाषा के उदाहरण शामिल हैं जो इस प्रकार की गतिविधि करने में आपकी मदद करेंगे।

केस स्टडी 1: संजीव को पाठ्यपुस्तक के एक अध्याय के अपरिचित शब्दों को समझने के एक नए तरीके का अनुभव होता है

संजीव एक सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 8 का छात्र है। उसे अंग्रेजी कठिन लगती है, और वह पाठ के कई शब्द समझ नहीं पाता है। उसकी शिक्षिका ने हाल ही में एक नया तरीका उपयोग किया है और उन्होंने पाया है कि इससे उसे मदद मिली है।

मैं प्राथमिक विद्यालय की कई कक्षाओं में उपस्थित नहीं था और कक्षा 8 के अंग्रेजी अध्याय मुझे – और मेरे कई सहपाठियों को भी कठिन लगते हैं। मेरी शिक्षिका पाठों को ऊँची आवाज़ में पढ़कर और उनका अनुवाद करके हमारी मदद करने का भरसक प्रयत्न करती हैं। इससे मुझे पाठ को समझने में तो मदद मिलती है, लेकिन मुझे पाठ के कई नए शब्द वास्तव में याद नहीं रहते।

हाल ही में हमारी शिक्षिका ने हमारी अंग्रेजी कक्षा में कुछ अलग किया। हमें अंग्रेजी वैज्ञानिक, Stephen Hawking के बारे में एक अध्याय पढ़ना था [देखं संसाधन 3]। शिक्षिका ने हमें उसके बारे में बताया और फिर उन्होंने हमसे अध्याय के पहले चार अनुच्छेदों को चुप रहकर पढ़ने को कहा। मुझे कहना है कि जब मैंने अध्याय पढ़ा तो मुझे कुछ अधिक समझ में नहीं आया। फिर उन्होंने हमसे अध्याय के बारे में कुछ प्रश्न पूछे। मैंने उत्तर सुना और जाना कि लेखक एक भारतीय विकलांग व्यक्ति है। तो 'disabled' का अर्थ यह था!

हमारी शिक्षिका ने हमें वे शब्द जिन्हें हम नहीं जानते और अनुमान लगा सकते हैं, तथा वे शब्द जिन्हें हम नहीं जानते और अनुमान नहीं लगा सकते, लिखने को कहा। ऐसे ढेर सारे शब्द थे जिन्हें मैं नहीं जानता था जैसे 'metaphor', 'strange'

और 'altogether' – और मैं बहुत सारे शब्दों का अनुमान नहीं लगा सकता था। फिर उन्होंने हमसे अपने शब्दों को छोटे समूहों में साझा करके यह देखने को कहा कि क्या हम एक दूसरे की अर्थों से मदद कर सकते हैं। मुझे थोड़ी शर्मिंदगी हुई, क्योंकि मेरे पास इतने सारे शब्द थे, लेकिन मेरे सहपाठी ने उनमें से कुछ को समझने में मेरी मदद की। और मेरे मित्रों में से एक ने मुझे दिखाया कि उसने 'bestseller' शब्द के अर्थ का अनुमान लगाने में कैसे सफलता प्राप्त की। उसने मुझे बताया कि वह शब्द *A Brief History of Time* नामक किताब का वर्णन करता है, इसलिए इसे किताबों के विषय से संबंधित कोई शब्द होना चाहिए; और उसने पाया कि 'seller' शब्द 'to sell' क्रिया से आया है। मुझे यह बात ठीक लगी। मैंने सचमुच पहले कभी किसी शब्द के अर्थ का अनुमान लगाने की कोशिश नहीं की थी।

इसके बाद, हमारी शिक्षिका ने पूछा कि क्या ऐसे कोई शब्द हैं जो हम नहीं जानते हैं, और उन्होंने हमें वे शब्द समझाए। उन्होंने शब्दों को समझाने के लिए कई भिन्न तरीकों का उपयोग किया। उदाहरण के लिए, 'tear' शब्द का अर्थ हमें बताने के लिए उन्होंने कागज के एक टुकड़े को कई छोटे टुकड़ों में फाड़ा। फिर उन्होंने हमसे अगली कक्षा से पहले घर पर सीखने के लिए अध्याय से दस शब्दों की सूची लिखने को कहा। मैं उन्हें घर ले गया और अपने बड़े भाई से मदद करने को कहा। वह कक्षा 10 में है और उसने शब्दों के बारे में मेरी परीक्षा ली। अगली कक्षा में, मैं इनमें से कई शब्दों को याद कर सकता था – विशेष तौर पर 'disabled', 'bestseller' और 'tear' – और मुझे गर्व का अनुभव हुआ।

2 नए शब्दों को सीखने और समझने में छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग करना

ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप नए शब्द सीखने में छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं। आप शब्दों का अनुवाद कर सकते हैं, और आप छात्र–छात्राओं से अर्थों का अनुमान लगाने को कह सकते हैं। शुरू में, छात्र–छात्राओं को शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने में कठिनाई हो सकती है। आप उन्हें दिखा सकते हैं कि अंग्रेजी के अपने वर्तमान ज्ञान, अध्याय के अन्य शब्दों के बारे में उनकी समझ, और दुनिया के बारे में उनकी जानकारी का उपयोग करके वे कैसे अर्थों का अनुमान लगा सकते हैं। 'A`Visit to Cambridge' से यह वाक्य पढ़ें (देखें संसाधन 3):

> There was his assistant on the line and I told him I had come in a wheelchair from India (perhaps he thought I had propelled myself all the way) to write about my travels in Britain.

छात्र–छात्रा 'wheelchair' शब्द के अर्थ का अनुमान लगा सकते हैं यदि वे 'wheel' और 'chair' शब्दों को समझते हैं, और दुनिया के बारे में अपने ज्ञान का उपयोग करते हैं – वे जानते हैं कि कोई विकलांग व्यक्ति व्हीलचेयर का उपयोग करता है, और उन्होंने व्हीलचेयर देखी होगी।

वे 'propelled' शब्द का भी अच्छा अनुमान लगा सकते हैं यदि वे 'wheelchair' शब्द को और अध्याय के विषय को समझ लेते हैं। वे देख सकते हैं कि यह एक क्रिया है। इसे past perfect tense के हिस्से के रूप में उपयोग किया जाता है, और यह '–ed' से समाप्त होता है। जब वे जान लेते हैं कि यह एक क्रिया है, तो वे अनुमान लगा सकते हैं कि यह गतिविधि से संबंधित है। यह समझकर कि कोई व्यक्ति व्हीलचेयर का उपयोग कैसे करता है, वे शब्द के सही अर्थ का अनुमान कर सकते हैं।

ज़रा सोचिए

- क्या आप कोई अन्य तरीकों को सोच सकते हैं जिनसे आप 'wheelchair' और 'propel' शब्दों को समझने में छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं? यदि संभव हो, तो किसी सहकर्मी के साथ उन पर चर्चा करें और अपने विचार नोट करें।

जिन अन्य तरीकों से आप नए शब्दों को समझने में छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं उनमें शामिल हैं:

- **किसी चित्र या वास्तविक वस्तु का उपयोग करना:** आप बोर्ड पर व्हीलचेयर का चित्र बना सकते हैं, पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र का उपयोग कर सकते हैं या किसी पत्रिका या अखबार से चित्र काट कर निकाल सकते हैं।
- **मूकाभिनय या इशारे का उपयोग करना:** आप किसी व्हीलचेयर में बैठकर स्वयं को आगे बढ़ाने वाले व्यक्ति का मूकाभिनय कर सकते हैं और छात्र–छात्राओं से यह बताने को कह सकते हैं कि उनकी घर की भाषा में वह शब्द क्या है ताकि आप जाँच सकें कि वे समझ रहे हैं।
- **अलग-अलग संदर्भों में शब्दों के उदाहरण देना और छात्र–छात्राओं से अनुमान लगाने को कहना:** उदाहरण के लिए, आप कह सकते हैं: 'नाव को पानी में हवा ने आगे बढ़ाया।'
- **स्पष्ट करना कि शब्द का अंग्रेजी में क्या अर्थ है:** प्रश्न पूछकर सुनिश्चित करें कि आपके छात्र–छात्रा अर्थ को समझते हैं।

If a person can't walk, they use a special chair to move around. What does the chair have?

Ma'am, the chair has wheels.

That's right, it has wheels. Can you think of anything else that has wheels?

A bicycle and a bus have wheels.

याद रखें कि हर बार जब आपके छात्र–छात्राओं को कोई नया शब्द सीखना हो तब आपको इन सभी तकनीकों का उपयोग नहीं करना है! अलग-अलग तकनीकें अलग-अलग शब्दों के लिए उपयुक्त होती हैं; उदाहरण के लिए, किसी हरकत का आसानी और शीघ्रता से मूकाभिनय किया जा सकता है। छात्र–छात्राओं को शामिल करने के लिए प्रश्नों का उपयोग करने के बारे में अधिक जानने के लिए देखें संसाधन 4, 'सोच को बढ़ावा देने के लिए पूछना'।

वीडियो: सोच को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न पूछना

गतिविधि 3: नए शब्दों को समझने और सीखने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग करना

यह गतिविधि आप कक्षा में अपने छात्र–छात्राओं के साथ कर सकते हैं।

विविध प्रकार की तकनीकों का उपयोग आपके छात्र–छात्राओं को नए शब्द समझने में मदद करेगा, और इससे उन्हें उनको बेहतर ढंग से याद रखने में भी मदद मिलेगी। उन्हें वह चित्र जो आपने बोर्ड पर बनाया था, या मज़ेदार मूकाभिनय याद रह सकता है। अपनी कक्षा में कुछ अलग-अलग तकनीकों को आजमाने के लिए निम्न चरणों का अनुसरण करें:

1. अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई अध्याय चुनें। यह कोई भी अध्याय हो सकता है, जिसमें गद्य या पद्य शामिल है। यह आपके द्वारा पढ़ाया जाने वाला अगला अध्याय भी हो सकता है। यदि अध्याय लंबा है, तो कुछ अनुच्छेद या छंद चुनें।
2. पाठ से पहले, कुछ ऐसे शब्दों का चयन करें जो आपके ख्याल से आपके छात्र–छात्राओं को पता नहीं हैं। यदि आप कुछ शब्दों से परिचित नहीं हैं, तो आप उन्हें शब्दकोष में देख सकते हैं। (ऑनलाइन शब्दकोषों के लिंक्स के लिए इस इकाई का अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।) शब्दों और वाक्यांशों को ऊँची आवाज़ में बोलने का अभ्यास करें ताकि छात्र–छात्रा आपके बाद उन्हें दोहरा सकें।
3. विचार करें कि आप इन शब्दों को समझने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद कैसे कर सकते हैं। क्या आप उनका चित्र बना सकते हैं या मूकाभिनय कर सकते हैं? क्या आप उस शब्द का उपयोग करने वाले वाक्यों के कुछ अन्य उदाहरण सोच सकते हैं? क्या आप उस शब्द को अंग्रेजी में समझा सकते हैं? यह जाँचने के लिए आपके छात्र–छात्रा समझ रहे हैं उनसे आप कौन से प्रश्न पूछेंगे (उदाहरण के लिए: 'इस शब्द का विलोम क्या है?')
4. अपने छात्र–छात्राओं द्वारा पाठ को पढ़ने से पहले, शब्दों को बोर्ड पर लिखें।
5. अपने छात्र–छात्राओं से पूछें कि क्या वे जानते हैं कि उन शब्दों का अर्थ क्या है। यदि वे नहीं जानते, तो आपके द्वारा तैयार की गई विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके समझने में उनकी मदद करें। यदि समझने में उन्हें कठिनाई हो रही है, तो कोई अन्य तकनीक आजमाएं। हो सके तो अनुवाद का उपयोग करने से बचने का प्रयास करें; उसका उपयोग केवल अंतिम उपाय के रूप में करें। शब्दावली पढ़ाने में उपयोग करने के लिए भाषा के कुछ उदाहरणों के लिए संसाधन 2 देखें।

3 शब्दावली रिकार्ड करने और याद रखने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करना

कई छात्र–छात्रा शब्दों को रिकार्ड करने और याद रखने के लिए शब्द सूचियों का उपयोग करते हैं। शब्द सूचियों को शब्दकोष (glossaries) भी कहा जाता है और आप इन्हें कई पाठ्यपुस्तकों के अंत में पा सकते हैं। छात्र–छात्रा उनके अपने वैयक्तिकृत शब्दकोष भी बना सकते हैं जिन्हें वे नए शब्दों को सीखते समय अपनी नोटबुकों के अंत में अपडेट कर सकते हैं। कक्षा 10 की पाठ्यपुस्तक से लिया गया एक नमूना शब्दकोष चित्र 1 में दिखाया गया है।

NOTES AND MEANINGS

Made	:	earned (कमाया)
Laid by	:	saved (बचाया)
Reluctant	:	unwilling (अनिच्छुक)
Insisted	:	urged, pressed hard (जोर दिया)
Hay	:	dried grass (सुखाई हुई घास)
Haggling	:	bargaining (सौदेबाजी)
Piled	:	heaped (ढेर लगाया)
Straightaway	:	direct (सीधा)
Disconsolately	:	unhappily, disappointedly (दुःखी होकर)
Native country	:	motherland (मातृभूमि)
Talents	:	abilities (क्षमताएं)
Cultivate	:	grow, develop (उत्पन्न करना, विकसित करना)
Characteristics	:	salient qualities (मुख्य कारण)
Inhospitable	:	uncivil (मेहमानों का स्वागत न करने वाले)
Puzzled	:	confused (परेशान)
Reception	:	welcome (स्वागत)
Protested	:	objected, spoke against (विरोध किया)
Misfortunes	:	calamities (मुसीबतें)
Benefit	:	advantage (लाभ)
Enlightened	:	full of knowledge (ज्ञानी)
Relay	:	a relieving shift of men
Certain	:	definite (निश्चित)
Mentioned	:	told (बताए गए)
Accident	:	a tragic incident (दुर्घटना)
Ashamed	:	feeling shame (लज्जित)
Skill	:	ability (दक्षता, चातुर्य)

चित्र 1: शब्दों के शब्दकोष का एक उदाहरण।

सूचियाँ और शब्दकोष शब्दावली सीखने में उपयोगी हो सकते हैं। तथापि, इनके कुछ नुकसान हैं। कभी-कभी शब्द सूची में केवल अनुवाद होते हैं, और वह शब्दों के बारे में अन्य जानकारी नहीं देते हैं। शब्दावली सीखते समय उपयोगी जानकारी में शामिल है:

- उच्चारण
- व्याकरण (जैसे किसी क्रिया का past participle, या कि वह संज्ञा है, या क्रिया या विशेषण है)
- वे शब्द जिनके साथ उसका उपयोग आदर्श रूप से किया जाता है (उदाहरण के लिए, क्रिया 'mention' का अनुसरण प्रायः 'that' करता है; 'ashamed' शब्द का अनुसरण प्रायः 'about' करता है)
- इसकी औपचारिकता (formality) (यह औपचारिक है या अनौपचारिक?)।

साथ ही कुछ छात्र–छात्रा शब्द सूचियों को याद करने में समर्थ हो सकते हैं, लेकिन अन्य छात्र–छात्राओं को यह कठिन लग सकता है। अगर छात्र–छात्रा सूची के शब्दों को थोड़ी देर के लिए (जैसे, किसी परीक्षा के लिए) याद कर भी पाते हैं तो भी, वे उन्हें शीघ्र ही भूल सकते हैं और अपने बोलने और लिखने में उनका उपयोग संभवतः नहीं कर सकेंगे।

उनकी शब्दावली को विकसित करने के लिए जिससे कि वे उसका उपयोग अपने स्वयं के बोलने और लिखने में कर सकें, छात्र–छात्राओं को शब्दों को कई बार देखने और सुनने और शब्दों का उपयोग करने के अवसर पाने की जरूरत होती है। यदि

छात्र–छात्रा नए शब्द सीखते हैं और उन्हें दोबारा नहीं देखते या उनका उपयोग नहीं करते हैं, तो वे उन्हें जल्दी ही भूल जाएंगे। शिक्षकों को ऐसी गतिविधियाँ शामिल करनी होंगी जो छात्र–छात्राओं को नए शब्दों की समीक्षा और उनका उपयोग करने का मौका देती हैं। छात्र–छात्राओं की शब्दावली विकसित करने के लिए अन्य गतिविधियों के लिए कुछ विचार पाने के लिए इस इकाई का अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

शब्दों को रिकार्ड करने और याद करने में छात्र–छात्राओं की मदद करने का उपयोगी तरीका है 'vocabulary log' का उपयोग करना। यह एक पृथक नोटबुक है जिसमें छात्र–छात्रा:

- शब्द के बारे में जानकारी नोट करते हुए, नए शब्द रिकार्ड कर सकते हैं
- ऐसी कोई भी बात नोट कर सकता है जो शब्द को याद रखने में उसकी मदद कर सकती है, जैसे, उसने उसे पहली बार कहाँ देखा था
- चित्र की नकल कर सकता है या चिपका सकता है
- शब्द के बारे में व्याकरण संबंधी जानकारी जोड़ सकता है
- शब्द के उच्चारण या चलन का वर्णन कर सकता है (जैसे क्या वह औपचारिक या अनौपचारिक है)
- शब्द के वाक्य में उपयोग के उदाहरण नोट कर सकता है (उदाहरण के लिए, उसे उस गद्यांश से नकल करके जहाँ उसने उसे पढ़ा था)
- संबंधित शब्द नोट कर सकता है।

शब्दावली लॉग उपयोगी होते हैं क्योंकि वे छात्र–छात्राओं को अध्यायों की समीक्षा करने और नए शब्द याद करने के अवसर प्रदान करते हैं। छात्र–छात्रा कक्षा के भीतर और बाहर दोनों जगह शब्दावली लॉग का उपयोग कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को अपने लॉग्स की समीक्षा करने को, या एक दूसरे को लॉग्स में देखकर यह पता करने को कहकर कि उन्हें कितना याद है, आप उन्हें खुद अपनी सीखने की प्रक्रिया पर विचार करने में उनकी मदद कर रहे हैं। इससे उन्हें उनके द्वारा की जा रही प्रगति को देखने और स्वतंत्र छात्र बनने में मदद मिलती है।

शब्दावली लॉग्स के उदाहरण संसाधन 5 में दिखाए गए हैं।

केस स्टडी 2: श्री अमरनाथ कक्षा 10 में शब्दावली लॉग्स का उपयोग करके छात्र–छात्राओं की शब्द याद रखने में मदद करते हैं

श्री अमरनाथ कक्षा 10 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। उन्होंने हाल ही में शब्दावली पढ़ाने के बारे में एक शिक्षक/शिक्षिका प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। सत्र के अंत में, शिक्षक/शिक्षिकाओं ने शब्दों को रिकार्ड करने और याद रखने के बारे में विचार साझा किये, और एक शिक्षक ने 'vocabulary logs' का उल्लेख किया। श्री अमरनाथ ने इसे अपनी कक्षा में आजमाने का निश्चय किया।

मुझे vocabulary logs का विचार बहुत पसंद आया। जब मैं छात्र था तब मैंने भी इसे कुछ समय तक रखा था, और मैंने इसे बहुत उपयोगी पाया था। बेशक, आजकल मैं इतना व्यस्त रहता हूँ कि मेरी आदत छूट गई है। लेकिन मेरे छात्र–छात्राओं को अपनी परीक्षाओं के लिए शब्दावली सीखने की जरूरत है, और चीजों को याद रखने में वे इतना ज्यादा समय व्यतीत करते हैं ... मैं देखना चाहता था कि क्या vocabulary log रखने से उन्हें मदद मिल सकती है।

मैंने हर छात्र–छात्रा से एक छोटी नोटबुक खरीदने और कक्षा में लाने को कहा। कुछ छात्र–छात्रा नोटबुक लेकर नहीं आए इसलिए मैंने उन्हें नोटबुक दीं (मैंने कक्षा के पहले कुछ नोटबुकों को खरीदी थीं)। मैंने छात्र–छात्राओं से कहा कि नोटबुक उनकी vocabulary logs हैं – एक ऐसी जगह जहाँ वे नए शब्द नोट कर सकते हैं। हमने चर्चा की कि वे logs में क्या शामिल कर सकते हैं, और मैंने बोर्ड पर कुछ उदाहरण दिए। कक्षा के अंत में, मैंने उनसे अध्याय पर नज़र डालने और कुछ शब्द नोट करने को कहा।

अब कक्षा हर सप्ताह 20 से 30 मिनट अपने शब्दावली लॉग को पूरा करने में बिताती है। मैं छात्र–छात्राओं से पाठों को पढ़ने और उन नए शब्दों को नोट करने को कहता हूँ जिनकी उन्हें जरूरत है या वे याद रखना चाहते हैं। मैं उन्हें उनकी पसंद के अनुसार काम करने देता हूँ। कुछ छात्र–छात्रा अकेले काम करना पसंद करते हैं; अन्य लोग जोड़ियों और समूहों में काम करते हैं। वे अपनी पसंद के शब्द लिखते हैं। मेरा ख्याल है कि छात्र–छात्राओं का शब्द चुनना महत्वपूर्ण है न कि मेरे द्वारा उन्हें बताया जाना कि कौन से शब्द लिखने हैं। यदि मैं शब्द चुनता हूँ, तो हो सकता है कुछ छात्र–छात्रा उन्हें पहले से जानते हों। और वैसे भी, इससे उन्हें अपने स्वयं की सीखने की क्रिया के लिए उत्तरदायी होने में प्रोत्साहन मिलता है, और इससे उन्हें भविष्य में तब मदद मिलेगी जब मैं नहीं रहूँगा।

जब वे काम करते हैं तब मैं कमरे में घूमता हूँ और सुनिश्चित करता हूँ कि वे अपना vocabulary logs पूरा कर रहे हैं, और साथ ही मदद भी करता हूँ और सुझाव देता हूँ। उदाहरण के लिए, मैं नए शब्दों से युक्त नमूना वाक्य देता हूँ, या मैं संबंधित शब्दों या विलोमों के उदाहरण देता हूँ, और दिखने वाली गलतियों को सुधारता हूँ। यह देखना बहुत दिलचस्प होता है कि छात्र–छात्रा कौन से शब्द नोट करते हैं। इससे मुझे यह देखने में मदद मिलती है कि छात्र–छात्रा कौन से शब्द जानते हैं और कौन से नहीं, और किन छात्र–छात्राओं को अधिक या कम मदद चाहिए। मैं समय-समय पर देखने के लिए कुछ logs भी लेता हूँ – बेशक, उन सभी को नहीं – वे बहुत सारे जो हैं! इससे मुझे वह प्रगति देखने में मदद मिलती है जो मेरे छात्र–छात्रा अंग्रेजी में कर रहे हैं, और मैं इस जानकारी का उपयोग उनके आकलन के भाग के रूप में करता हूँ।

हर थोड़ी देर में मैं छात्र–छात्राओं से अपने शब्दावली लॉग निकालने और शब्दों का उपयोग करके एक दूसरे की परीक्षा लेने को कहता हूँ। आखिरकार, शब्दों का रिकार्ड रखने का कोई मतलब नहीं है यदि आप उन पर नज़र भी नहीं डालते हैं। मैं जानता हूँ कि कुछ छात्र–छात्रा उन्हें अपने घर पर देखते हैं – और शब्द भी जोड़ते हैं – लेकिन अन्य लोग ऐसा नहीं करते हैं, इसलिए मैं उन्हें शब्दों को देखने के लिए प्रोत्साहित करने के तरीके खोजने का प्रयास कर रहा हूँ। मैं जानता हूँ कि शब्दों को याद रखने के लिए उन्हें बार-बार देखते रहना महत्वपूर्ण होता है।

मेरे छात्र–छात्राओं को vocabulary log रखते हुए अब दो महीने हो गए हैं। मेरा ख्याल है वे उत्साह खोने लगे हैं, इसलिए मैंने सत्र के अंत में एक प्रतियोगिता आयोजित करने का निश्चय किया है। सर्वोत्तम vocabulary log रखने वाले छात्र–छात्रा को मैं एक छोटा सा पुरस्कार देने वाला हूँ। मुझे उम्मीद है कि इससे वे अधिक प्रेरित बने रहेंगे।

गतिविधि 4: अपने छात्र–छात्राओं के साथ vocabulary logs का उपयोग करना

यह गतिविधि आपको अपने छात्र–छात्राओं के साथ आजमानी चाहिए।

केस स्टडी 2 में, श्री अमरनाथ ने कक्षा 10 के छात्र–छात्राओं के एक समूह के साथ vocabulary logs का उपयोग किया। शब्दावली रिकार्ड करने और याद रखने के लिए Vocabulary logs उपयोगी होते हैं। वे एक परियोजना का हिस्सा भी बन सकते हैं जिसे छात्र–छात्रा एक सत्र में, या यहाँ तक कि एक विद्यालयी वर्ष में भी कर सकते हैं। किताबों का मूल्यांकन किया जाएगा और वे हर छात्र–छात्रा के समग्र आकलन का हिस्सा रहेंगी। किसी भी स्तर के छात्र–छात्रा एक vocabulary log रख सकते हैं।

- छात्र–छात्राओं से एक सस्ती नोटबुक खरीदने और अगली अंग्रेजी कक्षा में लाने को कहें। खुद भी कुछ नोटबुकों को उन छात्र–छात्राओं के लिए खरीदें जो नोटबुक खरीदने में असमर्थ हैं।
- छात्र–छात्राओं से कहें कि नोटबुक उनकी vocabulary log होगी। वे इसका उपयोग शब्दावली रिकार्ड करने के लिए करेंगे।
- छात्र–छात्राओं से इस (या पिछले) अध्याय से कुछ शब्द नोट करने को कहें, और नोटबुक में वे जो कुछ लिख सकते

हैं उसके कुछ उदाहरण दें (जैसे कोई चित्र, कोई नमूना वाक्य, व्याकरण संबंधी जानकारी इत्यादि)। आप बोर्ड पर उदाहरण लिख सकते हैं।

- अपनी logs में शब्द नोट करने के लिए हर सप्ताह छात्र–छात्राओं को समय दें, और उन्हें घर पर भी शब्द जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। जब वे अपने लॉग्स पूरे करते हों, तब उनके आस-पास घूमें और जहाँ आवश्यक हो मदद करें।
- समय-समय पर अलग-अलग छात्र–छात्राओं के लॉग लें और उन्हें देखें। logs के बारे में नोट्स बनाएं और उनका उपयोग हर छात्र–छात्रा के लिए अपने लगातार आकलन के हिस्से के रूप में करें। आप logs का उपयोग अपने सीखने की योजना बनाने के लिए भी कर सकते हैं: क्या शब्दावली के ऐसे कोई क्षेत्र हैं जिनमें छात्र–छात्राओं को कठिनाई हो रही है? किन छात्र–छात्राओं को अधिक मदद की जरूरत है? आप उनकी सहायता कैसे कर सकते हैं? (अधिक जानकारी के लिए देखें इकाई रचनात्मक मूल्यांकन के माध्यम से भाषा सीखने में सहायता करना।)

ज़रा सोचिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- आपके छात्र–छात्रा अपने vocabulary logs का उपयोग कैसे करते हैं? लॉग्स का प्रभावी उपयोग करने में आप उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?
- अपने छात्र–छात्राओं को उनके logs में नियमित रूप से लिखने के लिए आप कैसे प्रेरित बनाए रख सकते हैं?

शब्दावली लॉग्स रखने के बारे में उत्साही बने रहने के लिए छात्र–छात्राओं की मदद करना महत्वपूर्ण है। छात्र–छात्राओं को कक्षा के भीतर और बाहर अपने लॉग्स को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करें। छात्र–छात्राओं से अपने लॉग्स को साझा करने को कहें, और छात्र–छात्राओं को लॉग्स के वे उदाहरण दिखाएं जो अधिक प्रभावी हैं। अपने छात्र–छात्राओं के लॉग्स को समय-समय पर देखते रहें। आप सर्वोत्तम लॉग्स, या सर्वाधिक सीखे गए शब्दों के लिए पुरस्कार भी दे सकते हैं।

छात्र–छात्राओं को अपने खुद के काम, जैसे लिखने या बोलने की गतिविधियों के लिए, लॉग्स के शब्दों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। उनसे अलग-अलग वाक्यों में लॉग से लिए गए कुछ शब्दों का उपयोग करने को कहें। छात्र–छात्राओं को याद दिलाएं कि शब्दों को सीखना यह जानने से अधिक होता है कि उनका क्या अर्थ है – उन्हें उनका उपयोग करने में भी सक्षम होना चाहिए।

4 शब्दकोषों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना

शब्दकोष आप और आपके छात्र–छात्राओं दोनों के लिए उपयोगी संसाधन हैं। जब आप अंग्रेजी पढ़ते और सुनते हैं, तब आपका सामना ऐसे शब्दों से होता है जिन्हें आप नहीं जानते, या जिनके अर्थ का आप अनुमान नहीं लगा सकते – आखिरकार, अंग्रेजी के प्रत्येक शब्द को जानना संभव नहीं है! शब्दकोष आप – और आपके छात्र–छात्राओं की – यह समझने में मदद करता है कि किसी शब्द का क्या अर्थ है, और कुछ शब्दकोष आपको शब्द के बारे में और भी बहुत जानकारी देते हैं।

Collins COBUILD Learner’s Illustrated Dictionary से ‘propel’ शब्द के बारे में यह प्रविष्टी पढ़ें:

> Propel/ prəˈpel/ (propels, propelling, propelled)
>
> 1. To propel someone or something in a certain direction means to cause them or it to move in that direction. *Rebecca took Steve’s elbow and propelled him towards the door.*

2. If something propels you into a particular activity, it causes you to be involved in it.
   It was this event which propelled her into politics.

   Wordlink: pel = driving, forcing: compel, expel, propel

यह प्रविष्टी आपको बतलाती है कि:

- शब्द का उच्चारण कैसे किया जाता है
- यह कैसे विभिन्न कालों से बना है
- शब्द के विभिन्न अर्थ क्या हैं
- इनका वाक्यों में उपयोग कैसे किया जाता है
- यह अन्य शब्दों से कैसे संबंधित है।

सभी शब्दकोष यह जानकारी नहीं देते हैं। इसके बावजूद, वे तब भी बहुत उपयोगी होते हैं, क्योंकि वे एक अवधारणा देते हैं कि उन शब्दों का क्या मतलब है, और उन्हें संभवतः कहाँ उपयोग किया जाता है। यदि छात्र–छात्राओं को विद्यालय, कक्षा या घर पर शब्दकोष सुलभ होता है, तो वे शब्दों का अर्थ स्वयं पता करने में सक्षम हो जाएंगे और आप पर कम निर्भर रहेंगे। इसका मतलब है कि आपके पास अपनी अंग्रेजी कक्षाओं में अन्य चीजें करने के लिए समय होगा।

गतिविधि 5: शब्दकोषों का अधिक प्रभावी रूप से उपयोग करने की योजना बनाना

भाग A: इन प्रश्नों के लिए अपने उत्तर नोट करें। हो सके, तो अपने उत्तरों को सहकर्मियों के साथ साझा करें।

1. क्या आपके पास शब्दकोष है?
   - यदि हाँ, तो वह किस प्रकार का शब्दकोष है? आप उसे कैसे उपयोग करते हैं?
   - यदि नहीं, तो क्या शब्दकोष खरीदना या साझा करना, या आपके मोबाइल फोन पर उसका उपयोग करना संभव है?
2. क्या आपके छात्र–छात्राओं के पास शब्दकोष हैं?
   - यदि हाँ, तो क्या वे उन्हें कक्षा में लाते हैं?
   - वे उनका कैसे उपयोग करते हैं? क्या आप उन्हें घर पर उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं?
3. क्या आपके विद्यालय या कक्षा में शब्दकोष है?
   - यदि हाँ, तो आप उसका उपयोग कैसे करते हैं?
   - यदि कोई शब्दकोष उपलब्ध नहीं है, तो क्या आप कक्षा के लिए खरीद सकते हैं? या अपने मोबाइल फोन में कक्षा में ला सकते हैं? आप उसका कैसे उपयोग कर सकते हैं?

भाग B: अब इन प्रश्नों के लिए कुछ अन्य शिक्षक/शिक्षिकाओं के उत्तर पढ़ें।

मेरे पास घर पर एक छपा हुआ शब्दकोष है, जिसका उपयोग मैं समय-समय पर करता हूँ। तथापि, मुझे पता चला है कि मेरे मोबाइल फोन में एक शब्दकोष उपलब्ध है – और वह वाकई में उपयोगी है। मैं अपनी अंग्रेजी सुधारने के लिए अधिक अंग्रेजी पढ़ने का प्रयास कर रहा हूँ और अब मैं शब्दों का अर्थ आसानी और शीघ्रता से खोज सकता हूँ क्योंकि मेरा फोन मेरे पास रहता है। यह मेरे पाठों के लिए भी उपयोगी है। कभी-कभार ऐसे शब्द सामने आते हैं जिन्हें मैं नहीं जानता, इसलिए मैं उन्हें कक्षा के पहले खोज सकता हूँ।

विद्यालय में हमारे पास कम्प्यूटर है जिसमें इंटरनेट कनेक्शन है। एक वरिष्ठ शिक्षक ने मुझे दिखाया कि शब्दकोष की खोज ऑनलाइन कैसे करनी चाहिए और मुझे बताया कि शब्दों के उच्चारण को कैसे सुनना चाहिए। इससे मुझे अपने उच्चारण को सुधारने में मदद मिल रही है – और यह बेशक, मेरे छात्र–छात्राओं के लिए भी मददगार साबित हो रहा है! [कुछ ऑनलाइन शब्दकोषों के लिए लिंक्स के लिए इस इकाई का अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।]

मेरे कुछ छात्र–छात्राओं के घर पर शब्दकोष हैं। वे सर्वोत्तम शब्दकोष तो नहीं हैं, लेकिन मैं अपने छात्र–छात्राओं को उन्हें किसी भी तरह से कक्षा में लाने को प्रोत्साहित करता हूँ। इस तरह, मैं शब्दकोषों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने में उनकी मदद कर सकता हूँ। उदाहरण के लिए, मैं कक्षा से अध्यायों को पहले शब्दकोष के बिना पढ़ने, और शब्दों के अर्थों का अनुमान लगाने को कहता हूँ। फिर वे उन अर्थों का पता लगाने के लिए शब्दकोशों का उपयोग कर सकते हैं जिनका वे अनुमान नहीं लगा सकते, और वे यह काम समूहों में, शब्दकोशों को साझा करते हुए करते हैं। इसका मतलब है कि छात्र–छात्रा हर एक शब्द की खोज नहीं करते हैं। कभी-कभी हम विभिन्न शब्दकोषों के अर्थों की तुलना करते हैं – वे हमेशा एक समान नहीं होते हैं! इससे मेरे छात्र–छात्राओं को उनका अधिक आलोचनात्मक ढंग से उपयोग करने में मदद मिल रही है, और वे उन्हें एक उपयोगी 'गाइड' के रूप में देखते हैं।

हमारी कक्षा में एक छपा हुआ शब्दकोष है। मैं छात्र–छात्राओं को उसमें देखने को प्रोत्साहित करता हूँ – उदाहरण के लिए, जब वे किसी गतिविधि को अन्य छात्र–छात्राओं से पहले समाप्त कर लेते हैं, या फिर कक्षा के शुरू या अंत में। कभी-कभी, मैं कक्षा के शुरू या अंत में प्रश्नोत्तरी के लिए शब्दकोष का उपयोग करता हूँ। मैं उसे एक पृष्ठ पर खोलता हूँ और छात्र–छात्राओं से उस पृष्ठ पर दिए गए शब्दों के बारे में प्रश्न पूछता हूँ, जैसे '“flicker” का क्या अर्थ है?', 'आप इसे कैसे स्पेल करेंगे?', 'क्या चीज “flicker” कर सकती है?' और 'क्या आप “flicker” का उपयोग वाक्य में कर सकते हैं?'

भाग C: आप अपने छात्र–छात्राओं के साथ शब्दकोषों के उपयोग में कैसे सुधार कर सकते हैं? ऊपर दी गई गतिविधियों में से एक को चुनें और उसे स्वयं करें या अपनी कक्षा के साथ आजमाएं।

5 सारांश

अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकों में आम तौर पर ऐसे कई शब्द होते हैं जिन्हें छात्र–छात्रा नहीं जानते हैं। आप शब्दों का अनुवाद करने की तकनीक का उपयोग कर सकते हैं लेकिन इसके कुछ नुकसान हैं। छात्र–छात्राओं को ऐसी तकनीकों को पढ़ाना अधिक उपयोगी होता है जो शब्दों को स्वयं समझने में उनकी मदद करते हैं। इस इकाई में आपने शब्दों का मतलब निकालने और उन्हें याद रखने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करने के कुछ तरीकों का अध्ययन किया है। ये वे तकनीकें हैं जिनका उपयोग आप पाठ्यपुस्तक के सभी अध्यायों के साथ कर सकते है ताकि आपके छात्र–छात्रा अधिक स्वतंत्र एवं आत्मविश्वास से भरे छात्र–छात्रा बन सकें।

यदि आप अंग्रेजी में अपनी स्वयं की शब्दावली को सुधारने के लिए और शब्दावली पढ़ाने में उपयोगी वाक्यांशों के लिए कुछ अवधारणाएं चाहते हैं तो संसाधन 2 देखें। यदि आप शब्दावली पढ़ाने के बारे में अधिक पढ़ना चाहते हैं तो अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

संसाधन

संसाधन 1: नए शब्द याद रखने में छात्र–छात्राओं की मदद करने वाली गतिविधियाँ

- **दो शब्द, एक वाक्य:** इस बारे में सीखने के लिए कि शब्द अन्य शब्दों के साथ कैसे काम करते हैं छात्र–छात्राओं को शब्दों का उपयोग करने की जरूरत होती है, इसलिए यह गतिविधि भाषा उत्पन्न करने में छात्र–छात्राओं की मदद करती है। बोर्ड पर ऐसे दो शब्द लिखें जिनकी आप समीक्षा करना चाहते हैं और छात्र–छात्राओं को जोड़ियों या समूहों में रखें। छात्र–छात्राओं से एक ऐसा वाक्य उत्पन्न करने को कहें जिसमें दोनों शब्द हों। कुछ छात्र–छात्राओं से उनके वाक्य बताने को कहें। सर्वोत्तम वाक्य चुनें और उसे छात्र–छात्राओं के नकल करने के लिए बोर्ड पर लिखें, फिर यही प्रक्रिया दो और शब्दों के साथ दोहराएं।
- **पाँच शब्दों की कहानी:** बोर्ड पर एक ग्रिड बनाएं जिसमें उन शब्दों का संग्रह हो जिन्हें आपके छात्र–छात्राओं ने हाल ही में सीखना शुरू किया है। छात्र–छात्राओं को छोटे समूहों में रखें और उनसे पाँच शब्द चुनने को कहें। प्रत्येक समूह द्वारा पाँच शब्द चुन लेने के बाद, उनसे एक बहुत छोटी सी कहानी बनाने को कहें जिसमें सभी पाँच शब्द हों। उनके कहानियाँ बना लेने के बाद, छात्र–छात्राओं को अपनी कहानियाँ साझा करने के लिए जोड़ियों में रखें या प्रत्येक समूह में से किसी एक को पूरी कक्षा को अपनी कहानी सुनाने को कहें।
- **तीन अर्थ:** यह शब्दावली का पुनरावर्तन करने के लिए पाठ्यपुस्तक के शब्दकोषों का उपयोग करने का तेज और उपयोगी तरीका है। छात्र–छात्राओं से अपनी किताबें बंद करने के कहें। बोर्ड पर एक शब्द लिखें, फिर पाठ्यपुस्तक के शब्दकोष से तीन परिभाषाएं पढ़ें। छात्र–छात्राओं से अनुमान लगाने को कहें कि कौन सी परिभाषा सही है। यदि आपकी कक्षा में या कक्षा के बाहर खाली जगह है, तो आप इसे अधिक मज़ेदार बना सकते हैं और छात्र–छात्राओं से खड़ा होने को कह सकते हैं। यदि पहली परिभाषा सही है, तो वे कक्षा के दायीं ओर जाएंगे; यदि दूसरी सही है, तो वे कक्षा के बीच में जाएंगे; और यदि तीसरी सही है, तो वे बायीं ओर जाएंगे।
- **वर्ड बैग:** यह एक निरंतर चलने वाली गतिविधि है जिसे आप सारे विद्यालय वर्ष में कर सकते हैं। प्रत्येक अध्याय के अंत में, अपने छात्र–छात्राओं को कागज की छोटी स्लिपें दें। उनसे स्लिप के एक ओर वे शब्द जिनकी उन्हें जरूरत है या जिन्हें वे सीखना चाहते हैं, और दूसरी ओर शब्द के बारे में जानकारी लिखने को कहें (जैसे अनुवाद, नमूना वाक्य, व्याकरण संबंधी जानकारी इत्यादि)। कक्षा के अंत में, कागज की सभी स्लिपें एकत्र करें और उन्हें एक बैग में रखें। बैग से नियमित रूप से बेतरतीब शब्द निकालें और उनके बारे में प्रश्न पूछें, जैसे 'इसका क्या अर्थ है?' या 'मुझे एक नमूना वाक्य दें।' ये त्वरित पुनरावृत्ति प्रश्नोत्तरियाँ पाठों से शब्दों को याद रखने में आपके छात्र–छात्राओं की मदद करेंगी।

संसाधन 2: शब्दावली पढ़ाने के लिए भाषा के उदाहरणों के साथ अपनी खुद की अंग्रेजी विकसित करें

यहाँ भाषा के कुछ उदाहरण प्रस्तुत हैं जिनका उपयोग आप शब्दावली पढ़ाने के लिए कर सकते हैं:

- 'Which words don't you know? Can you please write down the words that you don't understand?'
- 'I'm sure you can guess the meaning of some of those words from the context.'
- 'Which are the words you can guess the meaning of?'
- 'That's not exactly right. Any other guesses?'
- 'Yes, spot on! How could you guess the meaning? What were the clues?'
- 'Which are the words you couldn't guess?'
- 'What is the opposite of that word?'
- 'Do you know a word that is similar to this?'
- 'What kind of word is it? Is it a verb? Is it a noun?'
- 'What are the words before it and after it?'

- 'What is the topic of the lesson? Do you think this word is related to that topic?'
- 'You already know the word "helper". The word "assistant" is similar to that.'
- 'Can you see another word inside of this word? Can you see that the word "assist" is in there?'
- 'Do you know another word that is similar to this?'
- 'What word can you recognise in "disabled'" Did you notice that the word "able" is in there?'
- 'You know the word "able", yes? Can you guess what "disabled"' means?'
- 'Okay, so which of these words do you think are important for you to remember?'
- 'Circle the words that you think are important.'
- 'You might need to know some of these words for the exam.'

यहाँ आपकी अपनी अंग्रेजी शब्दावली विकसित करने के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं:

- Read as much as you can in English (newspapers, magazines, books).
- Try to use strategies you have learned about in this unit, such as guessing words from the context and deciding which words are useful to learn.
- If possible, find out how new words are pronounced and learn how they are used.
- Keep a vocabulary log – note down new words and revisit it often.
- Keep a dictionary near you so that you can consult it whenever you need to.
- Play word games in English, such as crossword puzzles.

यहाँ शब्दावली विकसित करने के लिए उपयोगी साइट्स के लिए लिंक्स प्रस्तुत हैं:

- 'व्याकरण, शब्दावली एवं उच्चारण': http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/language/
- 'शब्दावली गेम्स': http://learnenglish.britishcouncil.org/en/vocabulary-games

संसाधन 3: 'कैम्ब्रिज की यात्रा'

> Cambridge was my metaphor for England, and it was strange that when I left it had become altogether something else, because I had met Stephen Hawking there.
>
> It was on a walking tour through Cambridge that the guide mentioned Stephen Hawking, 'poor man, who is quite disabled now, though he is a worthy successor to Issac Newton, whose Chair he has at the university.' And I started, because I had quite forgotten that this most brilliant and completely paralysed astrophysicist, the author of *A Brief History of Time*, one of the biggest bestsellers ever, lived here.
>
> When the walking tour was done, I rushed to a phone booth and, almost tearing the cord so it could reach me outside, phoned Stephen Hawking's house. There was his assistant on the line and I told him I had come in a wheelchair from India (perhaps he thought I had propelled myself all the way) to write about my travels in Britain. I had to see Professor Hawking — even ten minutes would do. 'Half an hour,' he said. 'From three-thirty to four.'
>
> And suddenly I felt weak all over. Growing up disabled, you get fed up with people asking you to be brave, as if you have a courage account on which you are too lazy to draw a cheque. The only thing that makes you stronger is seeing somebody like you, achieving something huge. Then you know how much is possible and you reach out further than you ever thought you could.

(Source: National Council of Educational Research and Training, 2006a)

संसाधन 4: सोच को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न पूछना

शिक्षक / शिक्षिका हमेशा अपने छात्र–छात्राओं से सवाल पूछते रहते हैं; सवालों का अर्थ ये होता है कि शिक्षक / शिक्षिका सीखने और सीखते रहने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार औसतन, एक शिक्षक / शिक्षिका अपने समय का एक-तिहाई हिस्सा छात्र–छात्राओं से सवाल पूछने में खर्च करते हैं (हेस्टिंग्स, 2003)। पूछे गए प्रश्नों में से, 60 प्रतिशत में तथ्यों को दोहराया गया था और 20 प्रतिशत प्रक्रियात्मक थे (हैती, 2012), जिनमें से ज्यादातर के उत्तर सही या गलत में थे। लेकिन क्या सिर्फ सही या गलत में उत्तर वाले सवाल पूछने से सीखने को प्रोत्साहन मिलता है?

छात्र–छात्राओं से कई अलग अलग तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं। शिक्षक / शिक्षिका किस तरह के उत्तर और परिणाम पाना चाहते हैं, उनसे पता चलता है कि शिक्षक / शिक्षिका को किस तरह के सवाल पूछने चाहिए। शिक्षक / शिक्षिका आमतौर पर छात्र–छात्राओं से सवाल पूछते हैं, ताकि वे:

- जब कोई नया विषय या सामग्री प्रस्तुत की जाती है, तो वे छात्र–छात्राओं को इसे समझने के लिए मार्गदर्शन कर सकें
- बेहतर ढंग से सोचने के लिए छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित कर सकें
- कोई त्रुटि दूर कर सकें
- छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित कर सकें
- समझ को जाँच सकें।

प्रश्नों का उपयोग आमतौर पर यह देखने के लिए किया जाता है कि छात्र–छात्रा क्या जानते हैं, इसलिए यह उनकी प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रश्नों का उपयोग प्रेरणा देने, छात्र–छात्राओं के सोचने के कौशल को बढ़ाने और जिज्ञासु मन विकसित करने में भी किया जा सकता है। उन्हें मोटे तौर पर दो श्रेणियों में बाँटा जा सकता है:

- **निचले स्तर के प्रश्न,** जिनसे कि तथ्यों का स्मरण और पहले सिखाया गया ज्ञान शामिल होता है, प्रायः बंद सिरे के प्रश्नों (हां या नहीं में उत्तर) से संबद्ध होते हैं।
- **उच्च स्तर के प्रश्न,** जिनके लिए ज्यादा सोचने की ज़रुरत होती है। उनके लिए छात्र–छात्राओं को पहले किसी उत्तर से सीखी गई जानकारी को एक साथ रखने या तार्किक रूप से किसी दलील का समर्थन करने की ज़रुरत पड़ सकती है। उच्च स्तर के प्रश्न प्रायः ज्यादा खुले सिरों वाले होते हैं।

खुले सवाल छात्र–छात्राओं के पाठ्यपुस्तक पर आधारित, यथाशब्द जवाबों से परे सोचने को प्रोत्साहित करते हैं, जो छात्र–छात्राओं से उत्तर प्राप्त करने में सहायक होते हैं। इनसे शिक्षक / शिक्षिकाओं को भी सामग्री के बारे में छात्र–छात्रा की समझ का आंकलन करने में मदद मिलती है।

छात्र–छात्राओं को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना

कई शिक्षक / शिक्षिका एक सेकंड से भी कम समय में अपने प्रश्न का उत्तर चाहते हैं और इसलिए अक्सर वे खुद ही प्रश्न का उत्तर दे देते हैं या प्रश्न को दूसरी तरह से दोहराते हैं (हेस्टिंग्स, 2003)। छात्र–छात्राओं को केवल प्रतिक्रिया देने का समय मिलता है – उनके पास सोचने का समय ही नहीं होता! अगर आप उत्तर चाहने से पहले कुछ सेकंड इंतजार करते हैं तो छात्र को सोचने के लिए समय मिल जाएगा। इसका छात्र–छात्राओं की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रश्न को प्रस्तुत करने के बाद इंतजार करने से निम्नांकित में वृद्धि होती है:

- छात्र–छात्राओं के उत्तरों की लंबाई
- उत्तर देने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या
- छात्र–छात्राओं के प्रश्नों की बारंबारता

- कम सक्षम छात्र–छात्राओं के पास से उत्तरों की संख्या
- छात्र–छात्राओं के बीच सकारात्मक संवाद।

आपका प्रतिसाद (response) महत्वपूर्ण है

आप दिए गए सभी उत्तरों को जितने सकारात्मक ढंग से स्वीकार करते हैं, छात्र–छात्रा भी उतना ही ज्यादा सोचना और कोशिश करना जारी रखेंगे। यह सुनिश्चित करने के कई तरीके हैं कि गलत उत्तरों और गलत धारणाओं को सुधार दिया जाए, और यदि एक छात्र–छात्रा के मन में कोई गलत विचार है, तो आप निश्चित रूप से यह मान सकते हैं कि कई अन्य छात्र–छात्राओं के मन में भी वही गलत धारणा होगी। आप निम्नलिखित का प्रयास कर सकते हैं:

- उत्तरों के उन हिस्सों को चुन सकते हैं, जो सही हैं और एक सहायक ढंग से छात्र–छात्रा से अपने उत्तर के बारे में थोड़ा और सोचने के लिए कह सकते हैं। यह ज्यादा सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और आपके छात्र–छात्राओं की अपनी गलतियों से सीखने में मदद करता है। निम्नलिखित टिप्पणी यह दर्शाती है कि आप ज्यादा मददगार ढंग से किस प्रकार से गलत उत्तर पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं: 'आप वाष्पीकरण से बनते बादलों के बारे में सही थे लेकिन मुझे लगता है कि हमें बारिश के बारे में आपने जो कहा है उसके बारे में थोड़ा और पता लगाने की जरूरत है। क्या आपमें से कोई और इस बारे में कुछ बता सकता है?'
- छात्र–छात्राओं से मिलने वाले सभी उत्तर ब्लैकबोर्ड पर लिखें, और छात्र–छात्राओं से पूछें कि वे इनके बारे में क्या सोचते हैं। उनके अनुसार कौन-से उत्तर सही हैं? कोई अन्य उत्तर देने का कारण क्या रहा होगा? इससे आपको यह समझने का एक मौक़ा मिलता है कि आपके छात्र–छात्रा किस तरीके से सोच रहे हैं और आपके छात्र–छात्राओं को भी एक मित्रवत तरीके से अपनी गलत धारणाओं को सुधारने का अवसर मिलता है।

सभी उत्तरों को ध्यान से सुनकर और आगे समझाने के लिए छात्र–छात्राओं को प्रेरित करके उन्हें महत्व दें। उत्तर चाहे सही हो या गलत, लेकिन यदि आप छात्र–छात्राओं से अपने उत्तरों को विस्तार से समझाने को कहते हैं, तो अक्सर छात्र–छात्रा अपनी गलतियाँ खुद ही सुधार लेंगे, आप एक विचारशील कक्षा का विकास करेंगे और आपको वास्तव में पता चलेगा कि आपके छात्र–छात्रा कितना सीख गए हैं और अब किस तरह आगे बढ़ना चाहिए। यदि गलत उत्तर देने पर अपमान या सज़ा मिलती है, तो दोबारा शर्मिंदगी या डांट के डर से आपके छात्र–छात्रा कोशिश करना ही छोड़ देंगे।

उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना

यह महत्वपूर्ण है कि आप प्रश्नों का एक ऐसा क्रम अपनाने की कोशिश करें, जो सही उत्तर पर ख़त्म न होता हो। सही उत्तरों के बदले फॉलो-अप प्रश्न पूछने चाहिए, जो छात्र–छात्राओं का ज्ञान बढा़ता है और उन्हें शिक्षक/शिक्षिका के साथ संलग्न होने का मौका देते है। यह आप निम्न पूछकर कर सकते हैं:

- एक *कैसे* या एक *क्यों*
- उत्तर देने का एक और तरीका
- एक बेहतर शब्द
- किसी उत्तर को सही साबित करने के लिए प्रमाण
- संबंधित कौशल का एकीकरण
- उसी कौशल या तर्क का किसी नई स्थिति में अनुप्रयोग।

छात्र–छात्राओं की ज्यादा गहराई में जाकर सोचने में मदद करना और उनके उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना आपकी भूमिका का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। निम्नलिखित कौशल अधिक उपलब्धि हासिल करने में छात्र–छात्राओं की मदद करते हैं:

- **प्रोत्साहन** के लिए छात्र–छात्राओं को उचित संकेत देने की ज़रुरत पड़ती है – ऐसे संकेत जिनसे छात्र–छात्राओं को उनके प्रश्नों को विकसित करने और सुधार में मदद मिलती हो। उत्तर में सही क्या है, आप पहले इसे चुनकर इसके बाद जानकारी, आगे के प्रश्न तथा अन्य संकेत दे सकते हैं। ('तो अगर आप कागज के अपने हवाई जहाज के अंतिम सिरे पर वजन रखते हैं तो क्या होगा?')
- **जांच-पड़ताल** अधिक जानकारी पाने की कोशिश करने, एक अव्यवस्थित उत्तर को या आंशिक रूप से सही उत्तर को सुधारने की कोशिश में छात्र–छात्रा जो कहना चाहते हैं, उसे स्पष्ट करने में उनकी मदद करने से संबंधित है। ('तो इस सबका जो अर्थ है उसके बारे में आप मुझे और क्या बता सकते हैं?')
- **फिर से ध्यान केंद्रित करना** सही उत्तरों के आधार पर छात्र–छात्राओं के ज्ञान को उस ज्ञान से जोड़ने से संबंधित होता है, जो उन्होंने पहले सीखा है। यह उनकी समझ को विकसित करता है। ('आपकी बात सही है, लेकिन पिछले सप्ताह हमने अपने स्थानीय पर्यावरण विषय के बारे में जो पढ़ रहे थे, यह उससे किस प्रकार संबंधित है?')
- **प्रश्नों को अनुक्रित करने** का अर्थ है ऐसे क्रम में प्रश्न पूछना, जिन्हें सोच का विस्तार करने हेतु बनाया गया है। प्रश्नों के द्वारा छात्र–छात्राओं को सारांश बनाने, तुलना करने, समझाने और विश्लेषण करने की प्रेरणा मिलनी चाहिए। ऐसे प्रश्न तैयार करें, जिनसे छात्र–छात्राओं को सोचने की प्रेरणा मिले, लेकिन उन्हें इतनी ज्यादा भी चुनौती न दें कि प्रश्न का अर्थ ही खो जाए। ('स्पष्ट करें कि आप अपनी पहले की समस्या से किस प्रकार उबरे। उससे क्या फर्क पड़ा? आपको क्या लगता है आगे आपको किस चीज का सामना करने की जरूरत पड़ेगी?')
- **सुनने** से आप न केवल अपेक्षित उत्तर पर गौर करने में समर्थ होते हैं, बल्कि इससे आप असाधारण या नवोन्मेषी उत्तरों के प्रति सतर्क भी होते हैं, जिसकी हो सकता है कि आपको अपेक्षा न रही हो। इससे यह भी दिखाई देता है कि आप छात्र–छात्राओं के विचारों को महत्व देते हैं और इसलिए इस बात की ज्यादा संभावना होती है कि वे सुविचारित उत्तर देंगे। इस तरह के उत्तर भ्रांतियों को चिह्नांकित कर सकते हैं, जिन्हें ठीक करने की जरूरत होती है अथवा वे एक नयी पहुंच दर्शा सकते हैं, जिन पर आपने विचार नहीं किया हो। ('मैंने इसके बारे में सोचा नहीं था। आप इस तरह से क्यों सोचते हैं इसके बारे में मुझे और जानकारी दें।')

एक शिक्षक/शिक्षिका के रूप में, आपको ऐसे प्रश्न पूछने चाहिए जो प्रेरित करने वाले और चुनौतीपूर्ण हों, ताकि आप अपने छात्र–छात्राओं से रोचक और आविष्कारक उत्तर पा सकें। आपको उन्हें सोचने का समय देना चाहिए और आप सचमुच यह देखकर चकित रह जाएंगे कि आपके छात्र–छात्रा कितना कुछ जानते हैं और आप सीखने में उनकी प्रगति में कितनी अच्छी तरह मदद कर सकते हैं।

याद रखें कि प्रश्न यह जानने के लिए नहीं पूछे जाते कि शिक्षक/शिक्षिका क्या जानते हैं, बल्कि वे यह जानने के लिए पूछे जाते हैं कि छात्र–छात्रा क्या जानते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आपको कभी भी अपने प्रश्नों का जवाब नहीं देना चाहिए! आखिरकार यदि छात्र–छात्राओं को यह पता ही हो कि वे आगे कुछ सेकंड तक चुप रहते हैं, तो आप खुद ही उत्तर दे देंगे, तो फिर उन्हें उत्तर देने का प्रोत्साहन कैसे मिलेगा?

संसाधन 5: शब्दावली लॉग्स के उदाहरण

Captious: tending to find fault or raise petty objections, for example: a captious teacher

It's formal ...

Noun: captiousness; adverb: captiously

(Am I a captious teacher?)

Pinnacle: example sentence from report is 'But ask most fans and professional players and they will still tell you that Test cricket remains the pinnacle.'

Pinnacle = the top; the highest point

Pronunciation: first syllable is stressed

Can also be a high-pointed piece of rock or architecture (for example the top of a mountain or building):

चित्र R5.1 'captious' शब्द के बारे में शब्दावली लॉग का एक उदाहरण।

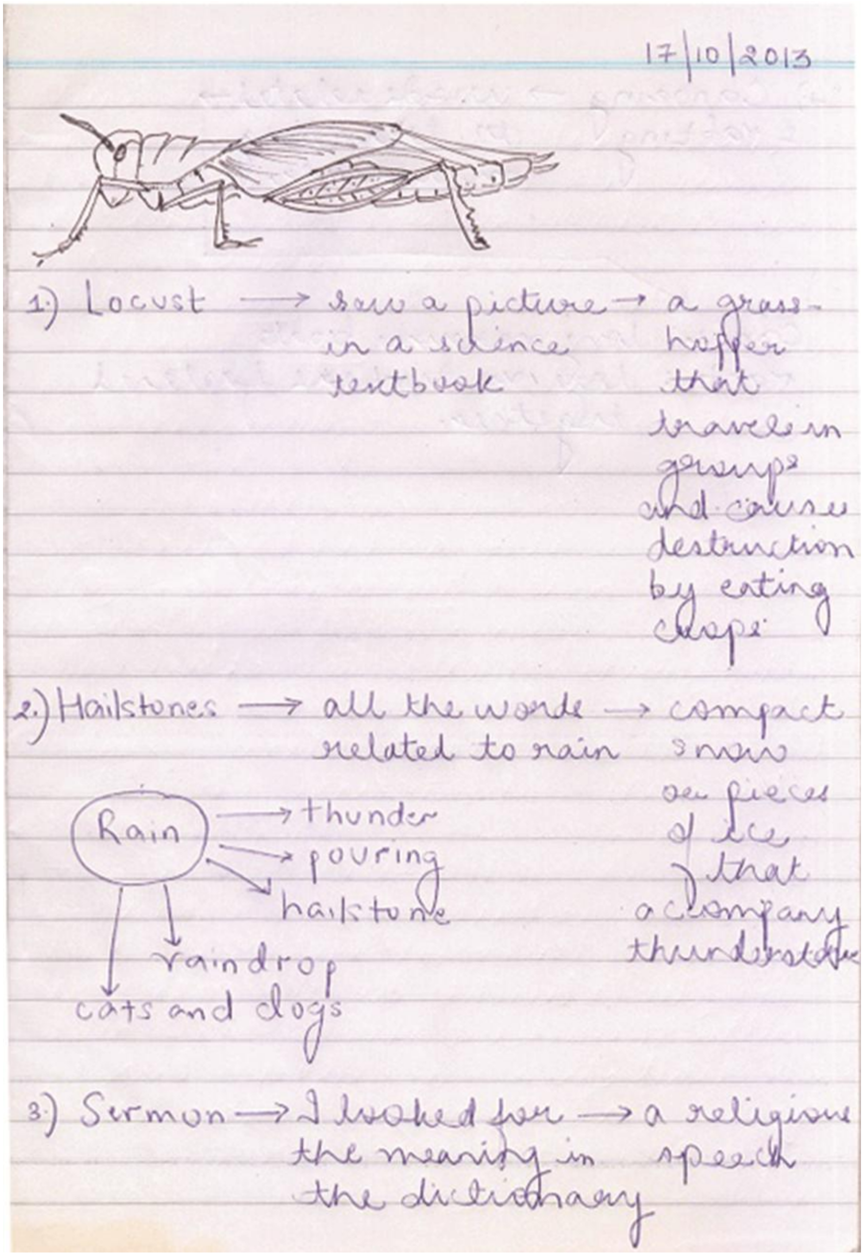

चित्र R5.2a एक छात्र–छात्रा की नोटबुक के शब्दावली लॉग का एक उदाहरण (पहला पृष्ठ)।

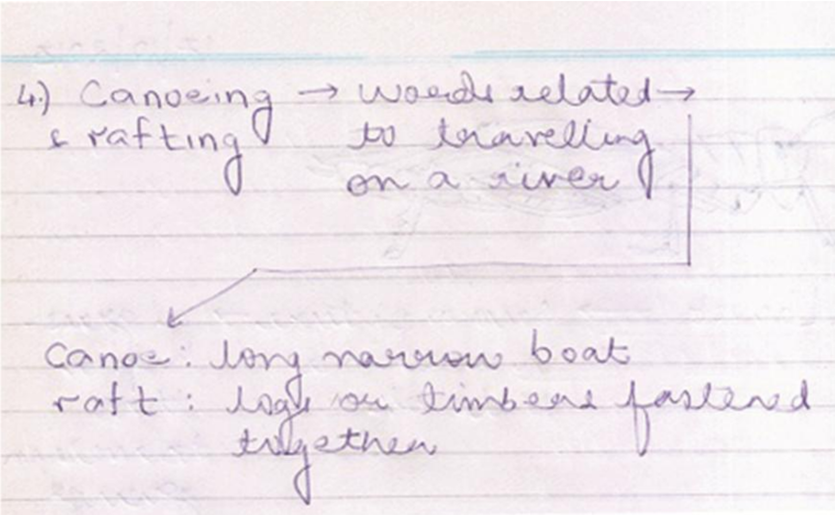

चित्र R5.2b एक छात्र की नोटबुक के शब्दावली लॉग का एक उदाहरण (दूसरा पृष्ठ)।

अतिरिक्त संसाधन

Some articles and activities about vocabulary:

- 'Vocabulary teaching: effective methodologies' by Naveen Kumar Mehta: http://iteslj.org/Techniques/Mehta-Vocabulary.html
- 'Strategies for vocabulary development' by Kate Kinsella, Colleen Shea Stump and Kevin Feldman: http://www.phschool.com/eteach/language_arts/2002_03/essay.html
- Articles on vocabulary: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/vocabulary
- Vocabulary activities: http://www.teachingenglish.org.uk/search/apachesolr_search/vocabulary%20activities

Some online dictionaries:

- Collins – English for Learners: http://www.collinsdictionary.com/dictionary/english-cobuild-learners
- Cambridge Dictionaries Online: http://dictionary.cambridge.org/
- Oxford Dictionaries: http://www.oxforddictionaries.com/

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Fawcett, A.J. and Nicolson, R.I. (1991) 'Vocabulary training for children with dyslexia', *Journal of Learning Disabilities*, vol. 24, no. 6, pp. 379–83.

Gupta, S.P. (ed.) (2012) *English (A Textbook for Class X)*, revised edition (revised by K.D. Upadhyay).Noida: Banwari Lal Kaka & Sons (Publishers).

Collins COBUILD (2009) *Collins COBUILD Learner's Illustrated Dictionary*. London: Collins.

Hastings, S. (2003) 'Questioning', *TES Newspaper*, 4 July. Available from: http://www.tes.co.uk/article.aspx?storycode=381755 (accessed 22 September 2014).

Hattie, J. (2012) *Visible Learning for Teachers: Maximising the Impact on Learning*. Abingdon: Routledge.

Kinsella, K., Stump, C.S., Feldman, K. (undated) 'Strategies for vocabulary development' (online), Prentice Hall eTeach. Available from:

http://www.phschool.com/eteach/language_arts/2002_03/essay.html (accessed 29 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Honeydew: Textbook in English for Class VIII*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/ncerts/textbook/textbook.htm?hehd1=0-10 (accessed 29 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006b) *Position Paper: National Focus Group on Teaching of English.* National Council of Educational Research and Training.

Snow, C.E., Cancina, H., DeTemple, J. and Sehley, S. (1991) 'Giving formal definitions: a linguistic or metalinguistic skill?' in Bialystok, E. (ed.) *Language Processing in Bilingual Children*. Cambridge: Cambridge University Press.

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।